CHAPTER 6, स्पीती में बारिश

PAGE 77, प्रश्न - अभ्यास - पाठ के साथ

11:1:6:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के साथ:1

1. इतिहास में स्पीति का वर्णन नहीं मिलता। क्यों?

उत्तर: पर्वत श्रृंखलाओं से घिरा और दुर्गम स्पीति की भौगोलिक स्थिति अजीब है। यहां परिवहन का कोई साधन नहीं है। यह साल में आठ-नौ महीने बर्फीला होता है और यह क्षेत्र दुनिया से लगभग कट जाता है। किसी राजा या शासक ने इन दुर्गम रास्तों को पार करने की हिम्मत नहीं की। यहां की आबादी बहुत कम और जनसंचार के साधनों की कमी है। मानवीय गतिविधियों के कारण यहां इतिहास नहीं बना है। इसमें केवल राज्यों से जुड़े होने का उल्लेख है। यह क्षेत्र ज्यादातर स्वायत्त रहा है।

mc 24 Myclass24 Your Class. Your Pace.

11:1:6:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:2

2. स्पीति के लोग जीवनयापन के लिए किन कठिनाइयों का

सामना करते हैं?

उत्तर: स्पीति का जीवन बहुत कठोर है। यहां एक लंबी सर्दी है, वर्ष के आठ-नौ महीने, यह क्षेत्र दुनिया भर से कटा हुआ है, जलाने के लिए कोई लकड़ी नहीं है, लोग ठंड से ठिठुरते हैं, न तो हरियाली है और न ही पेड़ हैं। यहाँ पर्याप्त वर्षा नहीं होती है। यहां एक वर्ष में केवल एक फसल उगाई जा सकती है। जौ, गेहूं, मटर और सरसों को छोड़कर कोई दूसरी फसल नहीं हो सकती। यहां कोई फल और सब्जियां पैदा नहीं की जाती हैं। रोजगार के दूसरे साधन नहीं है। यहाँ की भूमि उपजायु है परन्तु सिचाईं का कोई साधन नहीं है। ये कहा जा सकता है कि यहाँ के लोग अत्यंत जटिल परिस्थिति में रहते हैं।

11:1:6:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:3

3. लेखक माने श्रेणी का नाम बौद्धों के माने मंत्र के नाम पर करने के पक्ष में क्यों है?

उत्तर: बौद्ध धर्म में 'माने' मंत्र की बड़ी महिमा है। “ॐ मणि

पद्मेहु” इसका बीज-मंत्र है। संक्षेप में, इस मंत्र को माने कहा जाता है। लेखक का मानना है कि इस मंत्र का यहाँ इतना जप किया गया है कि पर्वत श्रृंखला को यह नाम आसानी से दिया जा सकता है। यह मुमकिन है कि स्पीति के दक्षिण की पर्वत श्रेणी का नाम ‘माने’ इसी कारण पड़ा हो।।

11:1:6:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:4

4. ये माने की चोटियाँ बूढ़े लामाओं के जाप से उदास हो गई हैं - इस पंक्ति के माध्यम से लेखक ने युवा वर्ग से क्या आग्रह किया है?

mc24 Myclass24
Your Class. Your Pace.

उत्तर: लेखक का मानना है कि पुराने लामाओं के अथक जप ने 'माने' पर्वत श्रृंखलाओं को उदास कर दिया है, क्योंकि उनके जप के कारण यहाँ का वातावरण बोझिल और नीरस हो गया है। लेखक पहाड़ों और मैदानों से युवा पुरुषों और महिलाओं को बुलाना चाहता है इसलिए सबसे पहले, अपने स्वयं के अहंकार को जलने दें, फिर इन चोटियों के अहंकार को कुचलें, प्यार का

खेल खेलें, ताकि ताजगी का माहौल रहे। चोटियों पर चढ़ने से जीवन अंगड़ाई लेने लगेगा ।युवाओं के अट्टहास से चोटियों पर जमा आर्तनाद पिघलेगा।

11:1:6:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के साथ:5

5. वर्षा यहाँ एक घटना है, एक सुखद संयोग है - लेखक ने ऐसा क्यों कहा है?

mc 24 Myclass24
Your Class. Your Pace.

उत्तर: लेखक का कहना है कि स्पीति में बहुत कम वर्षा होती है, जिसके कारण बारिश का मौसम मन के उद्देश्य की पूर्ति नहीं करता है। यहाँ की भूमि बिना बारिश के शुष्क, ठंढी और बंजर है। जब भी यहां बारिश होती है, लोग इसे अपना सौभाग्य मानते हैं। वे बारिश के दिन को खुशी का संकेत मानते हैं। लेखक के आने के बाद, बारिश हुई, लोगों ने उससे कहा कि बारिश के कारण आपकी यात्रा सुखद होगी।

11:1:6:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:6

6. स्पीति अन्य पर्वतीय स्थलों से किस प्रकार भिन्न है?

उत्तर: स्पीति अन्य पर्वतीय स्थलों से इस प्रकार भिन्न है-

1. स्पीति में साल के आठ-नौ महीने बर्फ रहती है,और यह क्षेत्र शेष संसार से पूरी तरह कटा रहता है।
2. बहुत मुश्किल से तीन-चार महीने बसंत ऋतु आती है, यहाँ न तो हरियाली है और ना ही पेड़।
3. यहाँ वर्ष में एक बार बाजरा,गेहूं,मटर और सरसों की फसल होती है।
4. यहाँ परिवहन और संचार के साधन नहीं हैं।
5. स्पीति में प्रति किलोमीटर केवल चार व्यक्ति रहते हैं तथा यहाँ पर्यटक भी नहीं आते हैं।
6. यहाँ का वातावरण उदास रहता है।

mc24 Myclass24 Your Class. Your Pace.

PAGE 77, प्रश्न - अभ्यास - पाठकेआसपास

11:1:6:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेआसपास:1

7. स्पीति में बारिश का वर्णन एक अलग तरीके से किया गया है। आप अपने यहाँ होने वाली बारिश का वर्णन कीजिए।

उत्तर: हमारे स्थान पर चिलचिलाती गर्मी के बाद, जब काले और काले बादल आकाश में घूमते हैं, तो शरीर और मन बहुत शांत हो जाते हैं। बारिश होते ही हर तरफ खुशी फैल जाती है। प्रकृति भी खुश लगती है और हंसती है। बच्चों की मस्ती और उत्साह जल्द ही दिखाई देता है। सभी जानवर और पक्षी नए जीवन का आह्वान करते दिखाई देते हैं। पक्षियों का कलरव उनकी खुशी की व्याख्या करता है।

mc 24 Myclass24 Your Class. Your Pace.

11:1:6:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेआसपास:2

8. स्पीति के लोगों और मैदानी भागों में रहने वाले लोगों के जीवन की तुलना कीजिए। किनका जीवन आपको ज्यादा अच्छा लगता है और क्यों?

उत्तर : मैदानी इलाकों के लोगों की तुलना में स्पीति के लोगों का जीवन बहुत अधिक कठिन है। मैदानों में जलवायु कठोर

नहीं है और यहाँ छः तरह के मौसम हैं। स्पीति में दो मौसम होते हैं, सर्दी और वसंत। सर्दियों में सब कुछ जम जाता है, बारिश नहीं होती। मैदानी इलाकों में रोजगार, कृषि, खाद्य पदार्थों और संचार के साधनों की कमी नहीं है। मैदानी क्षेत्रो में हर यक्ति के पास सुख के साधन है परन्तु स्पीति में कोई जीवन का निर्वहन भी कठिनता से होती है। मैदानी क्षेत्रो में रहने वाले लोगो का जीवन सरल है । जीवन नियमित गति से चलता है।

mc24 Myclass24 Your Class. Your Pace.

11:1:6:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के आसपास:3

9. स्पीति में बारिश एक यात्रा-वृत्तांत है। इसमें यात्रा के दौरान किए गए अनुभवों, यात्रा-स्थल से जुड़ी विभिन्न जानकारियों का बारीकी से वर्णन किया गया है। आप भी अपनी किसी यात्रा का वर्णन लगभग 200 शब्दों में कीजिए।

उत्तर- गर्मियों की छुट्टी में मैंने अपने माता-पिता, बहन और दो दोस्तों के साथ वैष्णो देवी जाने की योजना बनाई। सभी को मेरा प्रस्ताव पसंद आया और हम सभी ने विराजित माता वैष्णो

देवी के दर्शन के लिए त्रिकूट पर्वत पर गुफा में प्रवेश किया।

मां वैष्णो देवी की यात्रा कटरा से शुरू होती है। यह कटरा से है कि माँ की यात्रा के लिए एक मुफ्त यात्रा पर्ची मिलती है। इस पर्ची को लेने के बाद ही आप कटरा से मां वैष्णो के दरबार तक चढ़ाई शुरू कर सकते हैं। इस पर्ची को लेने के तीन घंटे बाद, आपको चढ़ाई से पहले 'बान गंगा' मिल जाती है

माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने माता भवन में पहुंचने वाले यात्रियों के लिए भवन के चारों ओर जम्मू, कटरा इत्यादि में कई धर्मशालाएं और होटल हैं, जहां आप विश्राम करके अपनी यात्रा की थकान दूर कर सकते हैं।

mc24 Myclass24 Your Class. Your Pace.

पूरे सफर में जगह-जगह पर जलपान और भोजन होता है। इस कठिन चढ़ाई में, आप थोड़ा आराम कर सकते हैं और चाय, कॉफी पी सकते हैं और फिर उसी उत्साह के साथ अपनी यात्रा शुरू कर सकते हैं। कटरा, भवन और भवन के ऊपर चढ़ने के कई स्थानों पर 'क्लॉक रूम' की सुविधा भी उपलब्ध है, जहाँ

आप एक निश्चित शुल्क पर अपना सामान रख कर चढ़ सकते हैं।

कटरा और जम्मू के पास कई दर्शनीय स्थान और हिल स्टेशन हैं, जहाँ आप जम्मू के शांत हिसन मैदानों का आनंद ले सकते हैं। कटरा, शिव खोरी, झज्जर कोटली, सनासर, बाबा धनसार, मंतलाई, कुद, बटोट आदि के पास कई दर्शनीय स्थान हैं।

11:1:6:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेआसपास:4

mc24 Myclass24
Your Class. Your Pace.

10. लेखक ने स्पीति की यात्रा लगभग तीस वर्ष पहले की थी। इन तीस वर्षों में क्या स्पीति में कुछ परिवर्तन आया है? जानें, सोचें और लिखें।

उत्तर : लेखक ने लगभग तीस साल पहले स्पीति की यात्रा की थी, लेकिन आज यहां कुछ बदलाव आया है। अब संचार, यातायात और रोजगार के कुछ साधन विकसित हो गए हैं, लेकिन प्राकृतिक परिस्थितियाँ समान हैं। इसलिए बहुत बदलाव

की गुंजाइश नहीं है।

PAGE 78, प्रश्न - अभ्यास - भाषाकीबात

11:1:6:प्रश्न - अभ्यास - भाषाकीबात :1

1. पाठ में से दिए गए अनुच्छेद में क्योंकि, और, बल्कि, जैसे ही, वैसे ही, मानो, ऐसे, शब्दों का प्रयोग करते हुए उसे दोबारा लिखिए -

लैंप की लौ तेज़ की। खिड़की का एक पल्ला खोला तो तेज़ हवा का झोंका मुँह और हाथ को जैसे छीलने लगा। मैंने पल्ला भिड़ा दिया। उसकी आड़ से देखने लगा। देखा कि बारिश हो रही थी। मैं उसे देख नहीं रहा था। सुन रहा था। अँधेरा, ठंड और हवा का झोंका आ रहा था। जैसे बरफ़ का अंश लिए तुषार जैसी बूँदें पड़ रही थीं।

Myclass24 Your Class. Your Pace.

उत्तर : लैंप की लौ तेज़ की और जैसे ही एक खिड़की खुली, हवा का झोंका मुंह और हाथों से छीलने लगा। मैंने दरवाजा बंद कर दिया और उसकी आड़ से देखने लगा। मैं इसे देख नहीं रहा

था बल्कि सुन रहा था। क्यूंकि अंधेरा, ठंढ और हवा का झोंका ऐसा आ रहा था मानो बर्फ का अंश लिए तुषार जैसी बूँदें पड़ रही थीं।